Theory Paper

Part A: Introduction				
Program: Honours/ Research		**Class:** B.A/B.Sc.	**Year:** IV	**Session:** 2024-2025
Subject: Geography				
1.	**Course Code**	A4-GEOG1D		
2.	**Course Title:**	**Geography of Tourism**		
3.	**Course Type** (Core/ Discipline Specific Elective/ Generic Elective/ Vocational/...)	**Discipline Specific Elective - 1**		
4.	**Pre-requisite**	To study this course, a student must have had this subject in Degree.		
5.	**Course Learning Outcomes (CLO)**	After the completion of course, the students will be able to: - 1. Understand the definition, elements, significance and influence of Geography on Tourism. 2. Enrich their knowledge about dimensions of tourism. 3. Learn about the infrastructural support and tourism circuits. 4. Analyse the various aspects of tourism in India. 5. Establish relation between tourism and sustainable human development.		
6.	**Credit Value**	**04**		
7.	**Total Marks**	**MAXIMUM MARKS: 30+70**	**MINIMUM PASSING MARKS: 35**	

Kusum
18/01/24
(Dr. Kusum Mathur)

Part B: Content of the Course		
Total numbers of lectures (in hours per week): 2 hours per week Total Lectures: 60 hours		
Unit	**Topic**	**No. of Hours**
I.	**FUNDAMENTAL ASPECTS OF TOURISM:** 1. Meaning and Definition of Tourism; 2. Geographical factors affecting tourism: Historical, Natural, Socio – Cultural, Economic and Motivational (Leisure and recreational); 3. Elements of Tourism as an Eco-friendly Industry; 4. Relation between Geography and Tourism.	**12**
II.	**DIMENSIONS OF TOURISM:** 1. Spatial and Temporal affinity of Tourism; 2. Locational dimensions of Tourism and Tourism Promotions; 3. Agro/rural Tourism, Heritage Tourism, Adventure Tourism, Medical Tourism, Religious Tourism, Spot Scenic Tourism, Sports Tourism and Eco Tourism; 4. National and International dimensions and Importance of Tourism; 5. Globalization of Tourism.	**12**
III.	**INFRASTRUCTURAL SUPPORT AND TOURISM CIRCUITS:** 1. Infrastructure and Tourist support system; 2. Tourism as a service product; 3. Short and longer destinations; Agencies and intermediaries' accommodations and supplementary accommodations; 4. Modes of Transportations: Air, Rail, Roads and Waterways; Other facilities (Guide etc.); 5. Tourism Circuits: Regional study of Tourism circuits in India with special reference to Madhya Pradesh.	**12**
IV.	**TOURISM IN INDIA:** 1. Regional dimensions of Tourism attraction in India; 2. Tourism regulations in India; 3. Evolution of Tourism in India by Faith and Trust; 4. Problem and prospects of Indian Tourism; 5. Future plans and development of Tourism Industry in India in Madhya Pradesh.	**12**
V.	**IMPACT OF TOURISM IN SUSTAINABLE HUMAN DEVELOPMENT:** 1. Impact of Tourism; Human perceptions (positive and negative impacts); 2. Role of Tourism places in Sustainable Human Development in India; 3. Environmental Law and Tourism; Current Trends (Spatial patterns and recent changes); 4. Role of Foreign Capitals in Human and Regional Development; 5. A Case Study of any two Tourist Centers of Madhya Pradesh.	**12**
Keywords/Tags: Heritage tourism, Eco-tourism, Tourism circuit, Foreign Capital, Sustainable Human Development		

Kusum
18/01/24
(Dr. Kusum Mathur)

Part C: Learning Resources		
Text Books, Reference Books, Other resources		
Suggested Readings: 1. Bhatia A.K.: Tourism development: principles and practices.: sterling publishers. New Delhi 1996. 2. Bhatiya, A.K. international Tourism - Fundamental and Practices, sterling, New Delhi (1991). 3. Chandra R.H.; Hill Tourism Planning and Development: A Sustainable Relationship Delhi, 1998. 4. Hunter C and Green H.; Tourism and the Environment: A Sustainable Relationship Rutledge, London, 5. दासगुप्ता, पपिया: पर्यटनभूगोल मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी भोपाल। 6. रैना ए.के.: पर्यटन प्रबंध सिद्धान्त और व्यवहार, अभिनव प्रकाशन अजमेर 2007। 7. सिंह, सुमन्त, डॉ.वी.पी. सिंह: मध्य प्रदेश में पर्यटन आदित्य पब्लिशर्स, बीना 2000। 8. व्यास,राजेश कुमार:भारत में पर्यटन, विद्याविहार नई दिल्ली, 2008।		
Part D: Assessment and Evaluation (Theory)		
Suggested Continuous Evaluation Methods: Maximum Marks: 100 Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): 30 University Exam (UE): 70		
Internal Assessment: Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):	Class Test Assignment/ Presentation	30
External Assessment: University Exam Section: Time: 03.00 Hours	Section (A): Very Short Questions Section (B): Short Questions Section (C): Long Questions	70

Kusum
18/01/24
(Dr. Kusum Mathur)

सैद्धांतिक प्रश्न पत्र

भाग 'अ' –परिचय			
कार्यक्रम: ऑनर्स/शोध	कक्षा: बी.ए./बी.एस.सी.	वर्ष: चतुर्थ	सत्र: 2024-2025
विषय –भूगोल			

1.	पाठ्यक्रम का कोड	A4-GEOG1D	
2.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	पर्यटन का भूगोल	
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स/ डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव - 1	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय का अध्ययन डिग्री में किया हो।	
5.	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	यह पाठ्यक्रम पूर्ण होने के पश्चात छात्र – 1. पर्यटन भूगोल की परिभाषा, तत्व, महत्व और प्रभाव को समझेंगे । 2. पर्यटन के आयामों के बारे में अपना ज्ञान समृद्ध करेंगे। 3. ढांचागत सहायता और पर्यटन सर्किट के बारे में जानेंगे। 4. भारत में पर्यटन के विभिन्न पक्षों का विश्लेषण कर सकेंगे। 5. पर्यटन और संपोषित मानव विकास के मध्य संबंध स्थापित कर सकेंगे।	
6.	क्रेडिट मान	सैद्धांतिक– 4	
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक : 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 35

Kusum
18/01/24
(Dr. Kusum Mathur)

भाग 'ब' – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या (प्रति सप्ताह (घंटे में): 2 घण्टे प्रति सप्ताह कुल व्याख्यान : 60 घण्टे		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I	पर्यटन के आधारभूत पक्ष- 1. पर्यटन का अर्थ एवं परिभाषा; 2. पर्यटन को प्रभावित करने वाले भौगोलिक कारक:- ऐतिहासिक, प्राकृतिक, सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक तथा अभिप्रेरणात्मक (अवकाश और मनोरंजन) 3. पर्यावरण-हितेषी (इकोफ्रेंडली) उद्योग के रूप में पर्यटन के तत्व; 4. भूगोल और पर्यटन के बीच संबंध.	12
II	पर्यटन के आयाम: 1. पर्यटन के स्थानिक और कालिक लगाव; 2. पर्यटन के अवस्थितिक आयाम तथा पर्यटन प्रोत्साहन; 3. कृषि/ग्रामीण पर्यटन, विरासत पर्यटन, साहसिक पर्यटन, चिकित्सा पर्यटन, धार्मिक पर्यटन, दर्शनीय स्थल पर्यटन,क्रीड़ापर्यटन और पारिस्थितिकी पर्यटन 4. पर्यटन के राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय आयाम एवं महत्व; 5. पर्यटन का वैश्वीकरण।	12
III	अधोसंरचनात्मक आधार तथा पर्यटन परिपथ: 1. बुनियादी ढांचा और पर्यटक सहायता प्रणाली 2. एक सेवा उत्पाद के रूप में पर्यटन 3. छोटी और लंबी मंजिलें; एजेंसियों और मध्यस्थों के आवास और पूरक आवास 4. परिवहन के साधन: वायु, रेल, सड़क और जलमार्ग, अन्य सुविधाएं (गाइड आदि) 5. पर्यटन सर्किट: मध्य प्रदेश के विशेष संदर्भ में। भारत में पर्यटन सर्किट का क्षेत्रीय अध्ययन।	12
IV	भारत में पर्यटन: 1. भारत में पर्यटन आकर्षण के प्रादेशिक आयाम; 2. भारत में पर्यटन संकेन्द्रण तथा पर्यावरणीय मुद्दे 3. भारत में आस्था और विश्वास द्वारा पर्यटन का उद्विकास (क्रमिक विकास) 4. भारतीय पर्यटन की समस्या एवं संभावनाएँ; 5. भारत तथा मध्य प्रदेश में पर्यटन उद्योग की भावी योजनाएँ और विकास।	12

Kusum
18/01/24
(Dr. Kusum Mathur)

V	सतत मानव विकास में पर्यटन का प्रभाव: 1. पर्यटन का अभिप्रभाव; मानवीय प्रत्यक्षीकरण (सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव) 2. भारत में पर्यटन स्थलों की संपोषणीय मानव विकास में भूमिका 3. पर्यावरण कानून और पर्यटन; वर्तमान रुझान (स्थानिक पैटर्न और हाल के परिवर्तन) 4. मानवीय एवं प्रादेशिक विकास में विदेशी पूंजी की भूमिका 5. मध्य प्रदेश के किन्हीं दो पर्यटन केन्द्रों का एक केस स्टडी।	12

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग: विरासत पर्यटन, एको-पर्यटन, पर्यटन परिपथ, विदेशी मुद्रा, संपोषित मानव विकास

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

1. Bhatia A.K.: Tourism development: principles and practices.: sterling publishers. New Delhi 1996.
2. Bhatiya, A.K. international Tourism - Fundamental and Practices, sterling, New Delhi (1991).
3. Chandra R.H.; Hill Tourism Planning and Development: A Sustainable Relationship Delhi, 1998.
4. Hunter C and Green H.; Tourism and the Environment: A Sustainable Relationship Rutledge, London, 1995.
5. दासगुप्ता, पपिया: पर्यटनभूगोल मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी भोपाल।
6. रैना ए.के.: पर्यटन प्रबंध सिद्धान्त और व्यवहार, अभिनव प्रकाशन अजमेर 2007।
7. सिंह, सुमन्त, डॉ.वी.पी. सिंह: मध्य प्रदेश में पर्यटन आदित्य पब्लिशर्स, बीना 2000।
8. व्यास,राजेश कुमार:भारत में पर्यटन, विद्याविहार नई दिल्ली, 2008।

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां (सैद्धांतिक)

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक:	100
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक:	30
विश्वविद्यालयीनपरीक्षा (UE) अंक :	70

आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मूल्यांकन(CCE):	क्लास टेस्ट, असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रजेन्टेशन)	30
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा: समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (अ): अति लघु प्रश्न, अनुभाग (ब): लघु प्रश्न, अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	70

Kusum
18/01/24
(Dr. Kusum Mathur)